Monthly

मासिक

Volume 1 Issue 11

May 2016

नगर निगम, वाराणसी

नगर निगम, वाराणसी

स्मार्ट सिटी वाराणसी

अलौकिक · आध्यात्मिक · आधुनिक

eNewsletter

शहर में शुरू हुआ अतिक्रमण हटाने का अभियान

स्मार्ट सिटी के लिए जनसहभागिता की पहल

मुख्य संरक्षक

श्री राम गोपाल मोहले
माननीय महापौर

मुख्य संपादक

श्री श्रीहरि प्रताप शाही
नगर आयुक्त

संपादक

श्री बी.के. द्विवेदी
अपर नगर आयुक्त

संकलन

श्री संदीप श्रीवास्तव
कोआर्डिनेटर, कम्प्यूटर सेल

कम्प्यूटर डिज़ाइन

श्री अनूप कुमार वर्मा
कम्प्यूटर आपरेटर

नगर निगम वाराणसी
सिगरा शहीद उद्यान के सामने
वाराणसी 221010

Email-
mcvns1@gmail.com
nagarnigamvns@gmail.com
Website-www.nnvns.org
Phone- 0542 222 1 711
Fax- 0542 222 1 702
Control Room
Toll Free- 155304

स्मार्ट सिटी के विजन प्लान पर मैराथन विमर्श

बनारस क्लब में स्मार्ट सिटी कार्यशाला में बोलते मंडलायुक्त नितिन रमेश गोकर्ण।

बनारस क्लब में स्मार्ट सिटी कार्यशाला में भाग लेते शहर के बुद्धजीवी।

बनारस क्लब में कार्यक्रम

- विजन प्लान तय करने को बुद्धिजीवियों ने दिए सुझाव
- वेबसाइट पर होगी पोलिंग, फिर तय होगा फाइनल विजन प्लान

इन साइट पर जाकर करें वोटिंग

- www.mygov.in
- www.facebook.com/mcvns
- www.smartcityvaransi.in

विजन प्लान पर होगी पोलिंग

नगर आयुक्त डा. एसपी शाही ने कहा कि बुद्धिजीवियों की टीमों की ओर से काशी को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए जो विजन प्लान आए हैं, उन पर स्मार्ट सिटी की वेबसाइट के माध्यम से शहर के निवासियों से पोलिंग कराई जाएगी और उसी के आधार पर फाइनल विजन प्लान तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार देर रात तक टीमों का विजन प्लान स्मार्ट सिटी व शहरी विकास मंत्रालय की वेबसाइट के साथ साथ फेसबुक पर भी अपलोड करा दिया जाएगा।

केपीएमजी ने स्मार्ट सिटी विजन का दिया प्रजेंटेशन

स्मार्ट सिटी का विजन प्लान तैयार करने के लिए चयनित संस्था केपीएमजी के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला के दौरान प्रजेंटेशन के माध्यम से स्मार्ट सिटी की पूरी जानकारी दी। इसमें स्मार्ट सिटी की परिकल्पना से लेकर क्रियान्वयन तक को विस्तार से बताया गया।

आधुनिकता के साथ हेरिटेज संरक्षण के ज्यादा प्रस्ताव

स्मार्ट सिटी विजन प्लान में आधुनिकता से साथ-साथ काशी की संस्कृति, सभ्यता व हेरिटेज संरक्षण, सुरक्षा, यातायात व टूरिज्म को बढ़ावा देने पर सबसे ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए।

पिपलानी कटरा में बनेगा कला केंद्र : नगरायुक्त

नगर आयुक्त ने कहा कि पिपलानी कटरा के आसपास काशी की 40 विभूतियां हैं। इन विभूतियों की यादों को संजोने के लिए हृदय योजना के तहत कला केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिसमें उनकी यादों को संजोया जा सके।

स्मार्ट सिटी में जनसहभागिता अभियान हेतु स्टाल व प्रचार वाहन

नगर निगम द्वारा वाराणसी व नगर के विश्वविद्यालयों के मध्य स्मार्ट सिटी में सहयोग हेतु मेमोरेण्डम हस्ताक्षरित किया गया

अपर नगर आयुक्तों के बीच कार्य वितरण

नगर आयुक्त श्रीहरि प्रताप शाही ने नगर निगम में तैनात दोनों अपर नगर आयुक्त श्री बीके द्विवेदी और श्री राजेंद्र सिंह सेंगर के बीच कार्य वितरण किया है। साथ ही एक माह में पांच लाख तक वित्तीय स्वीकृति का भी अधिकार दिया गया है। श्री बीके द्विवेदी स्वास्थ्य, मार्ग प्रकाश, परिवहन, विधि, टैक्स, नजारत, परिषद, फार्म, नकल, खेल, पशु चिकित्सा, पुस्तकालय, समारोह के वरिष्ठ प्रभारी होंगे। श्री राजेंद्र सिंह अधिष्ठान, इंजीनियरिंग, जलकल, राजस्व, विज्ञापन, उद्यान, ई-गर्वनेंस, कंट्रोल रूम, विद्यालय, निर्वाचन, लेखा, बीमा, पेंशन के वरिष्ठ प्रभारी होंगे।

एलईडी के लिए करार

ईईएसएल कंपनी के साथ आठ साल का किया समझौता

वाराणसी : काशी के घाटों संग अब गली-मोहल्ले व सड़कें भी एलईडी लाइटों की दूधिया रोशनी से जगमग होंगी। नगर निगम में शुक्रवार को एनर्जी अफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ नगर में एलईडी लाइट लगाने के लिए आठ साल का अनुबंध हुआ। नगर आयुक्त डा. एसपी शाही व कंपनी के प्रबंध निदेशक सौरभ कुमार व तरुण तायल ने अनुबंध पर सशर्त हस्ताक्षर किया। अनुबंध के मुताबिक नगर के करीब 36 हजार विद्युत प्वाइंटों पर एलईडी लाइटें लगाई जाएगी।

नगर में एलईडी लाइट लगाने और उसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का खर्च ईईएलएस वहन करेगा। इस कार्य में नगर निगम की काई भी पूंजी नही लगेगी। कंपनी को पे-पेमेंट अगले आठ सालों में बिजली बचत से किया जाएगा। कंपनी अगले तीस सप्ताह के अंदर पूरे शहर को एलईडी लाइटों से जगमग करेगी। साथ ही एलईडी लाइटें नेशनल लाइटिंग बोर्ड के मानक के अनुरूप होगी। एलईडी लाइटों से नगर निगम को अगले आठ सालों में 18 करोड़ रुपये की बचत होगी। करार के मुताबिक कंपनी 95 फीसद एलईडी लाइटों को हर समय जले रहने

◆ निगम को 18 करोड़ की होगी बचत, 36 हजार विद्युत प्वाइंटों पर लगाई जाएंगी एलईडी लाइटें

एलईडी के लिए मेयर के समक्ष दस्तखत करते नगर आयुक्त व कंपनी के अधिकारी।

की गारंटी देगी। अगर इसमें अंतर आया तो फाइनेंशियल पेनाल्टी का प्रावधान भी है। महापौर रामगोपाल मोहले ने कहा कि इससे जहां ऊर्जा की भारी बचत होगी वही दूसरी तरफ शहर का पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

अतिक्रमण अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया

वरूणापार जोन में सडक पर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

अमृत योजना

अमृत योजना भारत सरकार द्वारा 25 जून 2015 को प्रारम्भ की गई, जिसके निम्न उद्देश्य हैः–

1. प्रत्येक घर में जल संरक्षण एवं सीवर संयोजन उपलब्ध कराना।
2. शहर में हरियाली एवं पार्को का सुदृढ़ीकरण।
3. नगर के प्रदूषण को कम करने हेतु पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधारात्मक कार्य जैसे– पैदल चलना एवं साइकिलिंग हेतु मार्ग का निर्माण।

कम्पोनेन्ट– इस मिशन के निम्न 05 कम्पोनेन्ट है जो निम्नवत् हैः–

1. जलापूर्ति
2. सीवरेज सुधार एवं सेप्टेज मैनेजमेन्ट
3. वर्षा जल निकासी को कम करने के उद्देश्य से स्टार्म वाटर ड्रेन।
4. अर्बन ट्रांसपोर्ट–पैदल मार्ग, नान मोटराइज पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा, पार्किंग स्थान।
5. ग्रीन स्पेस, पार्को का बनाया जाना एवं उनका उच्चीकरण किया जाना।

उपरोक्त 5 कम्पोनेन्ट में से वर्ष 2015–16 में नगर निगम, वाराणसी द्वारा मात्र जलापूर्ति, सीवरेज व्यवस्था एवं ग्रीन स्पेस पार्क हेतु SLIP तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया, जिनका विवरण निम्नवत् हैः–

1. जलापूर्ति

भारत सरकार द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था के लिए सर्विस लेवल बेन्च मार्क में 2015–16 में निम्नानुसार मानक निर्धारित किये गये थे। जिसके विरूद्ध वर्तमान स्टेट्स निम्नवत् हैः–

जलापूर्ति की स्थिति का मानक

क0सं0	संकेतक	शहरी विकास मंत्रालय बेंच मार्क	वर्तमान स्थिति
1	जलापूर्ति संयोजन का अच्छादन	100%	66.70%
2	प्रति व्यक्ति जलापूर्ति(एन0आर0डब्ल्यू सहित)	135 ली0प्र0व्य0प्र0दि0	206 ली0प्र0व्य0प्र0दि0
3	जल संयोजन पर मिटरिंग व्यवस्था	100%	0%
4	नान रेवेन्यू वाटर की स्थिति	20%	58%
5	आपूर्ति जल की गुणवत्ता	100%	96%
6	जलापूर्ति सेवा में कास्ट रिकवरिंग	100%	61%
7	जल मूल्य वसूली की क्षमता	90%	60%

मानको के विरूद्ध वर्तमान स्थिति में कराये जाने वाले सुधारात्मक कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा SLIP (सर्विस लेबल इम्प्रुमेन्ट प्लान) की परिकल्पना की गयी। जिसमें सर्विसेज में सुधार करने के लिए कराये जाने वाले आवश्यक कार्यों को दर्शाया गया है। इस सुधारात्मक कार्य हेतु उ0प्र0 जल निगम द्वारा वर्तमान में जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार हेतु कराये जा रहे निम्न योजनाओं का भी संज्ञान लिया गया है।

चालू/स्वीकृत योजनाओ की स्थिति

क0 सं0	परियोजना का नाम	योजना का नाम	राशि	समाप्ति का माह	वर्तमान स्थिति (दिसम्बर 2015)
1	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–1, फेज–1	JnNURM	139.79 करोड़	दिसम्बर 2015	95%
2	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–1, फेज–2	JnNURM	110.50 करोड़	मार्च 2017	70%
3	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–2 (ट्रान्स वरूणा)	JnNURM	268.36 करोड	मार्च 2017	60%

चूँकि जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजना का कार्य पूर्ण नही हुआ। इसलिए SLIP के अन्तर्गत शेष कार्यो को भी कराने का प्राविधान किया गया है। इसके साथ–साथ एन0आर0डब्लू0 जो कि 58 प्रतिशत है, को कम करने के लिए कार्य योजना का प्राविधान, जलापूर्ति में सुधार हेतु एक नग नये इनटेक वेल, 64 एम0एल0डी0 वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का पुनरोद्धार तथा आवश्यकतानुसार पाइप लाइन बिछाने का कार्य एवं पेयजल की गुणवत्ता सुधारने के लिए आनलाइन वाटर क्वालिटी मानीटरिंग सिस्टम का प्राविधान किया गया है। इस पर निम्नानुसार व्यय होगा।

1–	एन0आर0डब्ल्यू0		
	(क) युनिवर्सल कवरेज प्राप्त करना	–	146.47 करोड़
	(ख) जलापूर्ति व्यवस्था का सृदृढ़ीकरण	–	153.53 करोड़
	योग	–	**300.00 करोड़**
2–	प्रति व्यक्ति आपूर्तित जल में बढ़ोत्तरी	–	169.00 करोड़
3–	आपूर्तित जल की गुणवत्ता	–	0.70 करोड़
	कुल योग	–	**469.70 करोड़**

2. सीवर व्यवस्था

भारत सरकार द्वारा वाराणसी नगर की सीवर व्यवस्था के लिए सर्विस लेवल बेन्च मार्क में 2015–16 में निम्नानुसार मानक निर्धारित किए गये थे। जिसके विरूद्ध वर्तमान स्टेटस निम्नवत हैः–

सीवरेज नेटवर्क की स्थिति एवं सेवा का मानक

क्र0 सं0	संकेतक	बेंच मार्क	वर्तमान सेवा का स्तर (प्रतिशत में)
1	लैटरिन का आच्छादन(व्यक्ति/समुदाय) 146763/150236	100%	97.98%
2	सीवरेज नेटवर्क सेवा का आच्छादन	100%	59.85%
3	सीवरेज एकत्र करने की क्षमता(वर्तमान सीवर लाइन की धारक क्षमता)	100%	40%
4	शोधन की क्षमता(सीवर शोधन क्षमता) 102 एम0एल0डी0/300 एम0एल0डी0	100%	35%

मानको के विरूद्ध वर्तमान स्थिति में कराये जाने वाले सुधारात्मक कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा SLIP (सर्विस लेवल इम्प्रूवमेन्ट प्लान) की परिकल्पना की गयी। जिसमें सर्विसेज में सुधार करने के लिए कराये जाने वाले आवश्यक कार्यो को दर्शाया गया है। इस सुधारात्मक कार्य हेतु उ0प्र0 जल निगम द्वारा वर्तमान में स्वीकार्य व्यवस्था में सुधार हेतु कराये जा रहे निम्न योजनाओं का भी संज्ञान लिया गया हैः–

मिशन अवधि हेतु सीवरेज परियोजना का मास्टर प्लान

क्र0सं0	परियोजना का नाम	परियोजना का नं0	आगंणन राशि (करोड़ में)
1.	वाराणसी के ट्रान्सवरूणा क्षेत्र में सड़क के किनारे सीवेज कनेक्शन की परियोजना।	1	105.08
2.	सीवेज डिस्ट्रक्ट III में सेकेण्डरी सीवर	2	180.43
3.	सीवेज डिस्ट्रिक्ट II में सेकेण्डरी सीवर एवं वर्तमान सीवर लाइनों को बदलना/पुर्नरूद्धार	3	384.00
4.	सीवेज डिस्ट्रिक्ट I में सेकेण्डरी सीवर एवं वर्तमान सीवर लाइनों को बदलना/पुर्नरूद्धार	4	275.00
5.	रमना में 50 एम0एल0डी0 सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण	5	156.56
	कुल योग		**1101.07**

3. ग्रीन स्पेस पार्क

नगर में स्थित पार्को में निम्न सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाना परिकल्पित किया गया है:–

1. फिजिकल एक्टिविटी के लिए स्थान।
2. परिवार के लिए सुविधाएँ जैसे– बच्चों के खेलने की व्यवस्था, पिकनिक स्पाट,डस्टविन, बेंच, गार्डेन टेबुल, पाथवे, ग्रीन एरिया।
3. सामान्य सेवायें– बाउण्ड्रीवाल फिनिशिंग सहित ट्यबवेल जलापूर्ति इत्यादि।
4. पार्क का सौन्दर्यीकरण।

वर्ष 2015–16 में फिलहाल निम्न 4 पार्को का चिन्हित किया गया:–

1. चन्द्रिका नगर कालोनी पार्क, सिगरा, वाराणसी।
2. रत्नाकर पार्क, शिवाला, वाराणसीं।
3. नाटी इमली उद्यान, नाटी इमली, वाराणसी।
4. तिल भाण्डेश्वर पार्क, भेलूपुर, वाराणसी।

उपरोक्त चार पार्को में कराये जाने वाले 6 कम्पोनेंट (1.पक्का रास्ता, 2. खेलने का रास्ता, 3. बच्चों के खेलने का उपकरण, 4. प्रकाश एवं लाइट, 5. जलापूर्ति एवं फव्वारा, 6. बेंच/गार्डेन टेबल खाद्य के लिए स्थान, अर्ध पक्की झोपड़ी, फूल एवं झाडी।)सुधारात्मक कार्यो का प्राक्कलन निम्नानुसार है, जिस पर रू0 1.67 करोड़ का व्यय आयेगा।

क0 सं0	पार्क का नाम	राशि (लाख में)
1	नाटी ईमली पार्क, ईश्वर गंगी वार्ड	**43**
2.	रत्नाकर पार्क, शिवाला वार्ड	**46**
3.	चन्द्रीका नगर कालोनी पार्क, शिवपुरवा वार्ड	**36**
4.	तिलभाण्डेश्वर पार्क, रेवरी तालाब वार्ड	**42**
	योग	**167**